नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 20 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 50**

नोट – वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

(क) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रंग-बिरंगे 2. खुशबू वाले
3. झुककर सज्जनता दिखाते हैं।
4. मैं अपना परीक्षा-परिणाम देखकर फूली न समाई।
5. रंग-बिरंगे फल (रंग-बिरंगे - विशेषण, फल, विशेष्य)

(ख) निर्देशानुसार कीजिए।

1. (क) मार्ग (ख) सुर / देव
2. (क) मदनमोहन मालवीय ने वाराणसी में भाषण दिया।
   (ख) जगह-जगह सभाएँ हो रहीं थीं।
3. (क) आस्तिक (ख) भारतीय
4. (क) आ + श् + र् + अ + म् + अ
   (ख) न् + इ + र् + भ् + ई + क् + अ
5. (क) पितृभक्त बालक (ख) कुछ सिपाही
6. (क) करण कारक (ख) अपादान कारक
7. (क) कठिन (मूलशब्द) + आई (प्रत्यय) (ख) सज्जन (मूलशब्द) + ता (प्रत्यय)
8. (क) कुछ बच्चे छोटी आयु से ही चतुर होते हैं।
   (ख) हमें अपने भारत देश पर गर्व है।
9. (क) वृक्ष (ख) वन
10. (क) जिसका कोई मूल्य न हो। (ख) जो बहुत कीमती हो।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सचिन ने एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अपना पहला शतक 9 सितंबर को कोलंबो (श्रीलंका) में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेले गए मैच में लगाया था।
2. भिखारी वास्तव में भिखारी नहीं था, वह शहर में काम ढूँढ़ने आया जीवन नाम का युवक था जिसे लाचार होकर भोजन के लिए भिक्षा माँगनी पड़ी।
3. पेड़ हमारे लिए बहुत कुछ करते हैं। हमें सुख और आराम देते हैं। हमें फल-फूल देते हैं। धूप से हमारी रक्षा करते हैं। इस प्रकार वे हमारा जीवन सरस बनाते हैं।
4. अकबर ने दरबारियों को स्वयं को बीरबल से बुद्धिमान और हाज़िरजवाब सिद्ध करने का अवसर देते हुए बीरबल को सात दिन की छुट्टी पर भेजते हुए उनके स्थान पर एक दरबारी को नियुक्त कर दिया। इसलिए सभी दरबारी खुश हो गए।
5. कवि अपनी मृत्यु वहीं चाहते हैं, जहाँ उनका जन्म हुआ है। कवि ऐसा इसलिए चाहते हैं क्योंकि उन्हें अपने देश से प्यार है। वे मरने के बाद अपने देश की मिट्टी

में मिल जाना चाहते हैं।

(घ) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु– 1. पेड़ों की संख्या में वृद्धि। 2. प्रदूषण में कमी। 3. वर्षा प्राप्त होना। 4. ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि होना। 5. हरियाली का बढ़ना।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु– 1. देश को कभी भुलाया नहीं जाता 2. अपने देश से हम हर तरह से जुड़े हैं। 3. यहाँ की मिट्टी हमें प्राणों से भी प्रिय है। 4. देशवासियों से ही देश बनता है। 5. देश से प्यार व देश पर गर्व।